







स्पोस में भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इंडियन स्पेस एसोसिएशन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को इनोवेशन का नया सेंटर बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत उन गति-चुने देशों में है, जिसके पास एअर डू एण्ड टेक्नोलॉजी है।

बीमारियों की सौगात परोस रहा है वायु प्रदूषण

योगेश कुमार गोयल दुनियाभर में वायु प्रदूषण के खतरों तेजी से बढ़ रहे हैं। वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है, यहां तक कि लोगों को आयु घटने का भी एक बड़ा कारण बनकर उभर रहा है।



योगेश कुमार गोयल

स्तर बहुत ज्यादा है और यह प्रदूषण अब गंगा के मैदानों से आगे मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र जैसे राज्यों तक फैल गया है, जहां खराब वायु गुणवत्ता के कारण लोगों को 2.5 से 2.9 वर्ष की जीवन प्रत्याशा खो सकते हैं।

कृष्ण अय्यनगर के अनुसार भारत की कुल 1.4 अरब आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से ज्यादा है।

सिद्धांत गौतम के, सता प्रमुख पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है।

गिरे, लिखें आज क्या? कृष्ण नया नहीं है, वहीं सुखसे से सीमा पर चौकसी में बैठा है। दूर से दुपत्त को टोली अपने अस्था पर लगी हुई है।

एक सैनिक की पाती खना होगा ताकि मेरी मां को मेरी कमी नहीं खोए। बाबूजी को अपने पिता तुल्य मानना तुम्हारा धर्म है।

रंकेगी तबतक हमें सदा सजग प्रहरी की भाँति सीमा पर डट रहेंगे। सम्भव हो सके युद्ध में मैं नहीं बल्कि मेरा शरीर लिये में लिपटा आये तो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना और मेरे विद्योग में आँखों में अँधियू न आने देना।

अनी संतान मानकर ब? करना। किसी के आगे हथ फेलकर मेरे बालियन को व्यर्थ न जाने देना। जैसे अबतक दुश्मन को कोई गोली नहीं बनी है जो उससे से आकार डेती। छोटें दोस्त कभी दिख जाये तो बोलना कि सक्को याद करता हूँ।

माँ पीताम्बरा (मृशिकल कार्य को आसान बनाती है)
सूडूकु बतवाल 5861
5 1 4
7 2
8 3
1 8
5 9
4 6
2 3 9 8
सूडूकु बतवाल 5860 का हल
4 7 6 3 5 2 9 1 1 8

विष्णु अग्रवाल
मध्यप्रदेश के हृदय स्थल ग्वालियर से 70 किलोमीटर दूर स्थित माँ पीताम्बरा पीठ इन दिनों धमत्कार का केन्द्र बन चुका है। यहाँ अने बालों की सभी मनोकांमनाएँ पूर्ण होती है।
अखंड ब्रह्मचारी स्वामी जी श्री स्वामी जी महाराज ने बचपन से ही सन्यास ग्रहण कर लिया था। श्री स्वामी जी यही एक स्वतंत्र अखंड ब्रह्मचारी संत थे। स्वामी जी प्रकांड विद्वान व प्रसिद्ध लेखक है उन्होंने संस्कृत-हिन्दी में कई किताबें लिखी है। वर्तमान में जहाँ माँ पीताम्बरा पीठ का मंदिर है। वहीं कभी शमशान हुआ करता था। इस शमशान के पास प्राचीनकाल के कात का शिव मंदिर था। जिसने बनेबनाए महोदय के नाम से जाना जाता था पुरातत्व विभाग के अनुसार श्री बन्धुखंडेभार महोदय जी का मंदिर 5000 वर्षों से भी ज्यादा पुराना है। ऐसा कहा जाता है कि महोदय कालीन समय के गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वपत्नी के कले पर भी पीताम्बरा पीठ की स्थापना स्वामी जी ने अपने तर. बल से की थी। इस स्थान को शुद्ध कर माँ पीताम्बरा महल पीठ के पवित्र विहाह को वैशाल्य सुल्लुक्त चतुर्थी स्न 1936 को पीताम्बरा की प्रतिष्ठा दिलिया के वैदिक विधान स्व.पिताम्बरा प्रसाद जी दुवे से प्राण प्रित्ति काल पीताम्बरा पीठ के स्थापना पूर्ण स्वामी जी ने 1934 में तर्तित। 7 दिन का अखंड कतिम होर राम होर राम राम होर होर होर कृष्ण होर-होर करावया था। स्थलगत किया श्री स्वामी जी विद्वान के सध-साथ अछे लेखक भी थे उन्होंने कई

मजहब बड़ा या मोहब्बत ?
डॉ. वेदप्रताप वैदिक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया श्री मोहन भागवत ने यह बिल्कुल ठीक कहा है कि शायी की यात्रा के लिए भारत है, उसे अपने देश का चाहिए। अस्वर यह दिखाना है कि इनका निरोध हो सकता है। भगवती बगलता जहाँ बहलस्व की शक्ति है। अर्थात् उसकी निरोधक भी है। भगवती बगलता की उपासना ससंग्रसम ब्रह्म ने सनक आदि को यह विद्या प्रदान की। सनल्लुमार ने इस विद्या को नारद को प्रदान किया नारद ने साख्यान ऋषि प्रदान और उन्होंने साख्यानपत्तनज का प्रपणन किया इस विद्या के द्वितीय उपसक विष्णु हूर और शिव तृतीय उपसक हूर शिव ने ब्रह्मास्व विद्या को परशुराम को प्रदान किया और परशुराम ने इसे द्रोणाचार्य, कर्ण, भीषण आदि को दिया द्रोणाचार्य ने अर्जुन और अश्वपत्नी को दिया श्री कृष्ण भी इसके जन्तकार थे भगवान् शिव ने यह विद्या जयवन को प्रदान की समस्त स्वधम शाकि के पीछे पीताम्बरा की स्वधम शाकि होती है इसी शाकि से मेघनाद ने हनुमान जी की शाकि को स्वधिम किया था श्री कृष्ण भगवान जयधर के वध के लिये सूनातरण को स्वधिम कर दिया था श्री कृष्ण भगवान लल्लुमार की स्वधम शाकि एवं स्वधमनात्मक है माँ पीताम्बरा पीठ मंदिर के साथ एक ऐतिहासिक सल्ल जुड़ा हुआ है। (चिनी) सना वाषिष भोजी) सन 4962 में जब गहार देश चीन ने भारत से दोस्ती के नाम पर भारत की पीठ में हूरा खोपकर अपनी सेनाओं के साथ भारत के ऊपर आक्रमण कर दिया था।









